www.livehindustan.com

हिन्दुस्तान

भरोसा नए हिन्दुस्तान का

शनिवार
25 जून 2022, नोएडा, नगर संस्करण

• पांच प्रदेश • 21 संस्करण

नवीन पटनायक बोले, ब्रिटेन में जगन्नाथ मंदिर बनाने के लिए सहयोग करेंगे।

ट्रांजिट हब बनने से रोजगार और व्यापार में बढ़ोतरी समेत अनेक फायदे मिलेंगे

जेवर में रनवे का काम शुरू, देश का पहला ट्रांजिट हब भी बनेगा

जेवर एयरपोर्ट

ग्रेटर नोएडा, वरिष्ठ संवाददाता। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट जेवर के रनवे का काम शुक्रवार को शुरू हो गया। वहीं एशिया पैसेफिक ट्रांजिट हब विकसित करने की योजना भी बनाई जा रही है। देश में अभी किसी एयरलाइंस का ट्रांजिट हब नहीं है। नियाल ने यह सुझाव विकासकर्ता कंपनी यमुना इंटनरेशनल एयरपोर्ट प्रालि (वाईआईएपीएल) को दिया है।

जेवर एयरपोर्ट में एशिया पैसेफिक ट्रांजिट हब विकसित करने की योजना है। नियाल के सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंह ने वाईआईएपीएल से इस एयरपोर्ट को ट्रांजिट हब बनाने का सुझाव दिया है। इसके लिए किसी बड़ी एयरलाइंस से समझौता होता है। समझौता करने वाली एयरलाइंस अन्य एयरलाइंस को अपने साथ जोड़ती है। हब बनने के बाद उसकी सभी फ्लाइट यहां से होकर गुजरेंगी। मान लीजिये किसी बड़ी विदेशी एयरलाइंस इसके लिए आगे आती है तो उसकी सभी फ्लाइट यहां आएंगी। इससे यात्रियों को भी फायदा मिलेगा। उन्हें सीधी सेवा मिलने लगेगी।

रोजगार के अवसर बनेंगे : ट्रांजिट हब बनने से एयरपोर्ट में फ्लाइट का आना-जाना अधिक होगा। जब फ्लाइट अधिक आएंगी तो रोजगार के अवसर बनेंगे। व्यापार भी बढ़ेगा। इसलिए यह हब बनने से अनेक फायदे मिलेंगे।

यह भी हो सकता है लागू : अगर आप घरेलू उड़ान के लिए एयरपोर्ट पहुंचते हैं तो सुरक्षा जांच करानी पड़ती है। गंतव्य के बाद फिर आप दूसरी घरेलू फ्लाइट पकड़ते हैं तो फिर आपकी सुरक्षा जांच होगी, जबकि कई देशों में एक बार जांच का प्रावधान है। वाईआईएपीएल ने नियाल के अफसरों से अनुरोध किया है कि इस पर फिर विचार किया जाए। यह बेहतर और समय व स्टाफ की बचत भी होगी। नियाल के अधिकारियों ने उन्हें आश्वस्त किया है कि वह एक बार फिर संबंधित अफसरों से वार्ता करेंगे।

ज्यूरिख एयरपोर्ट की सुविधाओं को देखा : पेरिस के बाद नियाल के सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंह व नागरिक उड्डयन विभाग के अधिकारियों के साथ ज्यूरिख एयरपोर्ट की सुविधाओं को देखा। यहां पर अत्याधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। जेवर एयरपोर्ट में भी इस तरह की तकनीक देखने को मिलेगी।

शुक्रवार को जेवर एयरपोर्ट के रनवे का काम शुरू हुआ। • ईश्वर

2024 सितंबर से शुरू हो जाएंगी नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से उड़ान

लेवलिंग का काम शुरू

टाटा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड ने शुक्रवार को जेवर एयरपोर्ट के रनवे का काम शुरू कर दिया। सबसे पहले लेवलिंग का काम शुरू हुआ है। एयरपोर्ट की चारदीवारी पहले ही पूरी हो चुकी है। सितंबर 2024 में यहां से उड़ान शुरू हो जाएंगी। देश के सबसे बड़े जेवर एयरपोर्ट के विकास का जिम्मा स्विस कंपनी को दिया गया है। स्विस कंपनी ने भारत में काम करने के लिए यमुना इंटनरेशनल एयरपोर्ट प्रालि (वाईआईएपीएल) नाम से एसपीवी बनाया है। यह कंपनी यहां पर काम कर रही है। वाईआईएपीएल ने एयरपोर्ट के निर्माण का ठेका टाटा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड को दिया है। शुक्रवार को चयनित ठेकेदार ने रनवे का काम शुरू कर दिया।

काम समय से पूरा होगा

इस ग्रुप की सीईओ डॉ. मंजू गुप्ता ने बताया कि शुक्रवार से रनवे का काम शुरू कर दिया गया है। सारी मशीनरी पहुंच गई है। सबसे पहले लेवलिंग का काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि काम को तय समय में पूरा कर लिया जाएगा। इस मौके पर नवकार ग्लोबल ग्रुप के एमडी धर्मेंद्र साध, निदेशक अनिल, नितिन, सीपी अरोड़ा समूह के प्रबंध निदेशक करुण अरोड़ा आदि उपस्थित रहे। जेवर एयरपोर्ट का पहला चरण 1334 हेक्टेयर में मूर्त रूप ले रहा है। विकासकर्ता कंपनी ने सबसे पहले चारदीवारी का काम शुरू किया। चारदीवारी का काम लगभग पूरा हो चुका है। चारदीवारी करीब 17 किलोमीटर की है। अब रनवे का काम भी शुरू हो गया है।

अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग होगा

नियाल के सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंह व नागरिक उड्डयन विभाग के अधिकारियों के साथ पेरिस में 15 से 17 जून तक चले वर्ल्ड एयर टर्मिनल एक्सपो में गए थे। उन्होंने बताया कि इस एक्सपो में एयरपोर्ट से जुड़ी नई-नई तकनीक प्रदर्शित की गई। जेवर एयरपोर्ट में अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग होगा। यात्री सुविधाएं, सामान प्रबंधन, इम्ग्रीगेशन आदि पर जोर दिया जाएगा। एयरपोर्ट में लाउंज से सीधे विमान तक पहुंचने की सुविधा मिल सकती है। यहां पर यात्रियों के सामान को रखने, पहुंचाने में नई तकनीक का इस्तेमाल होगा। इसके लिए मल्टी लेयर लैगेज पार्किंग बनेगी।